आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
सोमवार 23.03.2026
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने आज अपने चार वर्ष का कार्यकाल पूरा किया। प्रदेशभर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन।
- देहरादून में एलपीजी कालाबाजारी पर सख्ती। प्रशासन ने बनाई क्विक रिस्पांस टीमें।
- पौड़ी जिले में घेरबाड़ योजना से किसानों को जंगली जानवरों से मिल रही निजात, 339 हेक्टेयर कृषि भूमि को सुरक्षित किया गया।
- भारी बर्फबारी के बीच केदारनाथ धाम में सुरक्षा कड़ी। शून्य से नीचे तापमान में जवान मुस्तैद।

सरकार चार साल

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने आज अपने चार वर्ष का कार्यकाल सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इस अवसर पर प्रदेशभर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जा रहा है। वहीं सोशल मीडिया पर भी लोगों ने सरकार की उपलब्धियों की सराहना की। देशभर से लोगों, जनप्रतिनिधियों और विभिन्न संगठनों ने मुख्यमंत्री के नेतृत्व की सराहना करते हुए राज्य में हुए विकास कार्यों को सोशल मीडिया के माध्यम से रेखांकित किया।

एलपीजी

देहरादून जिला प्रशासन एलपीजी गैस की कालाबाजारी रोकने और शत–प्रतिशत होम डिलिविरी सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रहा है। प्रशासन ने कालाबाजारी को रोकने के लिए क्विक रिस्पांस टीमों का गठन किया है, जो लगातार छापेमारी कर रही हैं। वहीं, जिलाधिकारी सविन बंसल ने कहा कि अगर कोई रसोई गैस की कालाबाजारी करते पकड़ा गया, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। देहरादून जिले में कल तक लगभग 17 हजार 700 से अधिक उपभोक्ताओं को घरेलू, जबकि 380 से अधिक उपभोक्ताओं को व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की आपूर्ति की गई है। घरेलू गैस सिलेंडर में करीब 90 हजार के लगभग बैकलॉग है।

गुलदार हमला

चम्पावत जिले में लोहाघाट ब्लॉक के डगला तोक में घास लेने जंगल जा रही एक महिला पर गुलदार ने हमला कर घायल कर दिया। साथी महिलाओं के शोर मचाने पर गुलदार जंगल की ओर भाग गया। घायल महिला को लोहाघाट उप जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया है। ग्राम प्रधान पुष्कर नाथ गोस्वामी ने वन विभाग से गांव में सुरक्षा मुहैया कराने, गुलदार को पकड़ने और पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग की है। वहीं, वन विभाग की एसडीओ नेहा सौन ने कहा कि गुलदार की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए कैमरा ट्रैप लगाए लगाने के साथ ही वन कर्मियों की गश्त की जाएगी। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर पिंजरा भी लगाया जाएगा और नियमानुसार घायल महिला को उचित मुआवजा दिया जाएगा

गंगोत्री धाम

आगामी चारधाम यात्रा को लेकर गंगोत्री धाम में तैयारियां जोरों पर हैं। इस बीच, तीर्थ पुरोहितों और पांच मंदिर समिति ने सनातन परंपराओं को सशक्त बनाने के लिए एक नया विधिक प्रस्ताव तैयार किया है। गंगोत्री धाम में आने वाले श्रद्धालुओं की आध्यात्मिक शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए पंचगव्य और गंगाजल को अनिवार्य करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। पांच मंदिर समिति, गंगोत्री धाम के सचिव सुरेश सेमवाल ने बताया कि इस प्रस्ताव को लागू करने के लिए विशेष टीम का गठन किया जाएगा, जिसमें न्यायालय के अधिवक्ता भी शामिल होंगे। इसका उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ–साथ संवैधानिक अधिकारों का भी पूरा सम्मान किया जा सके।

घेरबाड़ योजना

पर्वतीय क्षेत्रों में जंगली जानवरों से फसलों को होने वाले नुकसान से परेशान किसानों के लिए कृषि विभाग की घेरबाड़ योजना एक प्रभावी समाधान बनकर सामने आई है। इसी कड़ी में पौड़ी जिले के विभिन्न विकासखंडों में कराए गए घेरबाड़ कार्य से अब बड़ी संख्या में किसानों की कृषि भूमि सुरक्षित हो गई है। इससे किसानों को अपनी मेहनत से तैयार फसलों को बचाने में राहत मिली है और खेती के प्रति उनका उत्साह भी बढ़ा है। पौड़ी जिले में वित्तीय वर्ष 2025–26 के तहत कृषि विभाग की ओर से 102 परियोजनाओं के माध्यम से घेरबाड़ का कार्य कराया गया। इन परियोजनाओं के लिए 339 लाख रुपये की स्वीकृत लागत निर्धारित की गयी, जिसके तहत चयनित गांवों में खेतों के चारों ओर मजबूत घेरबाड़ करायी गयी। इसके माध्यम से कुल 339 हेक्टेयर कृषि भूमि को सुरक्षित किया गया है। प्रभारी कृषि अधिकारी मनविंदर कौर ने बताया कि घेरबाड़ का कार्य जिले के एकेश्वर, जयहरीखाल, पोखड़ा, थलीसैंण, खिर्सू, पाबौ, रिखणीखाल, नैनीडांडा, बीरोंखाल, पौड़ी, कोट, कल्जीखाल, दुगड्डा, द्वारीखाल और यमकेश्वर विकासखंडों के चयनित गांवों में कराया गया। अधिकांश परियोजनाओं में लगभग 3 से 6 लाख रुपये तक की लागत से खेतों के

चारों ओर मजबूत फेंसिंग की गयी है, जिससे किसानों की फसलों को जंगली सूअर, बंदर और अन्य वन्यजीवों से होने वाले नुकसान से काफी हद तक बचाया जा सके। बीरोंखाल विकासखंड के ग्राम नौगांव के किसानों का कहना है कि 130 मीटर लंबी घेरबाड़ से जंगली जानवरों से फसलों की सुरक्षा हुई है और उत्पादन में भी बढ़ोतरी हुई है। इस घेरबाड़ के दायरे में लगभग 80 खेत शामिल हैं। वहीं, अन्य विकासखंडों में भी किसानों ने इस पहल के लिए कृषि विभाग की सराहना की है। जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने बताया कि जिले के पर्वतीय क्षेत्रों में जंगली जानवरों के कारण किसानों की फसलों को लगातार नुकसान हो रहा था। इस समस्या से निपटने के लिए जिला योजना के तहत चयनित गांवों में प्राथमिकता के आधार पर घेरबाड़ का कार्य कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी किसानों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अन्य क्षेत्रों में घेरबाड़ के कार्य कराए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक किसानों को इसका लाभ मिल सके और खेती को सुरक्षित व लाभकारी बनाया जा सके।

केदारनाथ / सुरक्षा

रुद्रप्रयाग जिले में स्थित केदारनाथ धाम में हाल ही में भारी बर्फबारी के बाद भी सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक–चौबंद बनी हुई है। शून्य से नीचे तापमान के बावजूद उत्तराखंड पुलिस और भारत–तिब्बत सीमा पुलिस बल के जवान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार तैनात हैं। सुरक्षा एजेंसियां बर्फबारी के बीच भी नियमित गश्त कर रही हैं और धाम परिसर की सुरक्षा को अभेद्य बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विषम परिस्थितियों के बावजूद जवान पूरी सतर्कता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं। प्रशासन के अनुसार, सुरक्षा बल हर संभावित स्थिति से निपटने के लिए अलर्ट मोड में हैं और धाम क्षेत्र में गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। जवान न केवल सुरक्षा व्यवस्था संभाल रहे हैं, बल्कि अपने बैरकों और आसपास जमी बर्फ को भी स्वयं साफ कर रहे हैं, ताकि कार्य में कोई बाधा न आए। गौरतलब है कि आगामी 22 अप्रैल को केदारनाथ धाम के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे।

सत्यापन अभियान

हरिद्वार जिले के रानीपुर कोतवाली क्षेत्र में पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सघन सत्यापन अभियान चलाया। इस दौरान किरायेदारों और बाहरी व्यक्तियों की जांच करते हुए कई मकान मालिकों पर कार्रवाई भी की गई। अभियान के दौरान 40 लोगों का सत्यापन किया गया। साथ ही बिना सत्यापन के किरायेदार रखने वाले 16 मकान मालिकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 1 लाख 60 हजार रुपये के कोर्ट चालान किए गए। पुलिस अधिकारियों ने क्षेत्रवासियों को जागरूक करते हुए मकान मालिकों से किरायेदारों और घरेलू सहायकों का अनिवार्य रूप से सत्यापन कराने की अपील की। पुलिस का कहना है कि ऐसे अभियानों से अपराधों पर अंकुश लगाने के साथ ही क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत होगी।